सर्व विजयश्री रामनामी लॉकेट

सांसारिक जीवन में शक्ति सम्पन्न होना अति आवश्यक है, क्योंकि जीवन के सभी कार्य ऊर्जा शक्ति से ही पूर्ण और सम्पन्न होते हैं, **निर्बल, शक्तिहीन** कुछ भी प्राप्त करने में **असफल** ही रहता है। आद्या शक्ति जगदम्बा संहारात्मक (रक्षात्मक), सृजनात्मक (पालन), रचनात्मक (वृद्धि) कारक हैं। नवरात्रि दिवसों में शक्ति की आराधना से जीवन की सभी **दुर्गतियों का शमन** होता है और विजयश्री युक्त स्थितियां प्राप्त होती हैं, जिससे जीवन नवनिधि युक्त बनता है।

राम नवमी जिस दिन भगवान श्रीराम का अवतरण हुआ था, यह दिवस मर्यादा और पुरूषोत्तमय शक्ति प्राप्ति दिवस है। भगवान राम का जीवन आदर्श की उच्चतम स्थिति और अद्भूत सद्गुणों से युक्त है, वे वीर्यवान, पीन बाहु, विशाल वक्ष, उदार मन, गम्भीर, ओजस्वी, संहारकर्ता एवं प्रजा पालक है। साथ ही उनमें धर्म के प्रति अपार निष्ठा, धर्म रक्षा, धर्म के अनुकूल आचरण करने वाले गुण विद्यमान हैं। वेद, वेदांग, धनुर्वेद एवं समस्त शास्त्रों के ज्ञाता भी हैं। यही कारण है कि उन्हें पुरूषों में 'उत्तम पुरूषोत्तम' की उपमा प्राप्त हुई।

साधक भी निरन्तर ऐसी पुरूषोत्तमय चेतना की प्राप्ति हेतु प्रयासरत रहता है। वास्तव में जीवन वही कहा जा सकता है, जिसमें प्रबल पौरूष शक्ति विद्यमान हो, वही व्यक्ति जीवन में अपने लक्ष्यों को पूर्णता से प्राप्त करता है।

शक्ति और पुरूषोत्तम चेतना के युग्म से ही जीवन के भूत, वर्तमान, भविष्य की स्थितियों में श्रेष्ठता आती है। जिससे **आधि-व्याधि, कष्ट, पीड़ा, धनहीनता** स्वरूप में निर्मित सभी दुर्गतियों का नाश होता है। साथ ही साधक श्रेष्ठ भाव से संहारात्मक, सृजनात्मक, रचनात्मक जीवन में अभिवृद्धि की ओर अग्रसर होकर नवनिधि स्वरूप में सुख-समृद्धि, सम्पन्नता, सफलता, आरोग्यता, आयु, व्यापार वृद्धि, संतान सुख व मनोकामनाओं की पूर्ति करने में पूर्णतः सफल होता है।

सर्व विजयश्री रामनामी लॉकेट धारण करने से उक्त सभी स्थितियों को साधक प्राप्त कर जीवन में विजयश्री युक्त लक्ष्य की प्राप्ति करता है। इस लॉकेट को चैत्रीय नवरात्रि प्रतिपदा, अष्टमी अथवा रामनवमी दिवस पर शुद्ध वस्त्र धारण कर लॉकेट पर कुंकुम, अक्षत चढ़ायें इसके पश्चात् धूप, दीप दिखाकर 51 बार गुरू मंत्र का जप कर धारण करें।

सर्व विजयश्री रामनामी लॉकेट

साथ ही दो वर्षीय पत्रिका सदस्यता न्यौछावर ₹900/-

प्राचीन मंत्र-यंत्र विज्ञान

मासिक पत्रिका के सदस्य बनें

कैलाश सिद्धाश्रम-1-C, पंचवटी कॉलोनी
रातानाड़ा जोधपुर- 342011(राज.)
☎ 0291-2517025, 2517028
✆ 7568939648, 8769442398
Info@pmyv.net
www.pmyv.net

नाम
मकान नं.
गली नं.
मोहल्ला
गांव
पोस्ट
जिला
राज्य
पिन कोड नं
मो. नं.
मो. नं.
ई-मेल.....

- वार्षिक पत्रिका सदस्यता हेतु सदस्यता फार्म को सम्पूर्ण विवरण के साथ भरकर कैलाश सिद्धाश्रम-जोधपुर भेजें।
- फार्म के साथ ही न्यौछावर राशि अग्रिम भेजने पर speed post से उपहार स्वरूप साधना सामग्री आपके पते पर भेज दी जायेगी।
- साधना सामग्री व दीक्षा हेतु UPI द्वारा भी न्यौछावर राशि भेजने से सम्बन्धित व्यवस्था यथाशीघ्र प्राप्त हो सकेगी।
- जिसे प्राप्त कर जोधुपर कार्यालय में सूचित करें, जिससे आपकी सदस्यता सक्रिय की जा सके।
- कृपया अपना विवरण अंग्रेजी के स्पष्ट शब्दों में भरें जिससे निश्चित पते पर पत्रिका पहुँच सके।
- online transaction-PAYTM व UPI द्वारा भेजे।
- बुक पोस्ट द्वारा तीन दिन में पत्रिका प्राप्त करें, न्यौछावर सदस्यता व बुक पोस्ट चार्ज सहित ₹ 750
- आश्रम द्वारा आपका मोबाईल नं. डी.एन.डी. होने पर भी सूचना मैसेज द्वारा प्रदान की जायेगी।